खबर संक्षेप

अक्टूबर को शहडोल के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

शहडोल। कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि 11 केवी इंदिरा चौक फीडर पर मेंटेनेंस कार्य किया जाना आवश्यक है। इसके चलते मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026 को सुबह 07 बजे से 11 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय अस्थायी रूप से बंद रहेगा। कार्य की आवश्यकता के अनुसार विद्युत आपूर्ति बंद रहने की अवधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है। मेंटेनेंस कार्य के दौरान गेट नरसरहा, डीएफओ कार्यालय, वन मंडल कार्यालय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय, स्वस्तिक होम कॉलोनी, एप्पल होम कॉलोनी, निगम परिसर, स्वस्तिक डेवलपमेंट कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, सम्पूर्ण ग्रीन सिटी कॉलोनी, सम्पूर्ण एमआर सिटी कॉलोनी, कमला नगर, शांति नगर, धरम पाल बाड़ा, बीजेपी कार्यालय एवं आसपास का क्षेत्र, रमाबाई तिराहा और बुढ़ार चौक सहित संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इसके अलावा होटल त्रिदेव, पार्वती अस्पताल, रमाबाई अस्पताल, मेवाड़ अस्पताल, रॉयल एनफील्ड शोरूम, श्री श्रेजा प्लाजा, विशाल मेगा मार्ट, के-स्क्वायर शॉपिंग मॉल, एक्सिस बैंक, रायजादा पेट्रोल पंप, लेंसकार्ट, सतीश आहूजा, गणेश मंदिर, प्रेम बेकरी, स्वस्तिक गैलेक्सी, बड़ेरिया भवन एवं आसपास के मुख्य क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। कार्यपालन अभियंता जितेंद्र गुप्ता ने संबंधित उपभोक्ताओं से अपील की है कि आवश्यक कार्यों के लिए पूर्व से तैयारी रखें तथा विद्युत विभाग के मेंटेनेंस कार्य में सहयोग प्रदान करें। विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से होने वाली असुविधा के लिए विभाग ने खेद व्यक्त किया है।

शहडोल में पकड़ी गई शराब के घुनघुटी कनेक्शन की चर्चा

80.4 बल्क लीटर शराब की जब्ती के बाद बड़ा सवाल

क्या बैच नंबर बताएगा शराब का असली स्रोत

शहडोल। संभागीय मुख्यालय में अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई के बाद अब जब्त शराब के स्रोत को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वार्ड क्रमांक 35 से पकड़ी गई 80.4 बल्क लीटर अंग्रेजी व देशी मदिरा को लेकर सूत्रों का दावा है कि खेप का संबंध जिले की घुनघुटी स्थित कंपोजिट शराब दुकान से हो सकता है। यदि ऐसा है तो जांच केवल जब्ती तक सीमित न रहकर बैच नंबर से वास्तविक आपूर्तिकर्ता तक पहुंचनी चाहिए।

जब्ती हुई, अब बैच नंबर की बारी

आबकारी विभाग के प्रेस नोट के मुताबिक वार्ड क्रमांक 35 स्थित एक मकान में दबिश देकर 80.4 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई और मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से जानकारी सामने आ गई, लेकिन अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब्त शराब के बैच नंबर और उसके स्रोत को लेकर है। सूत्रों के अनुसार जब्त शराब में अंग्रेजी मदिरा की मात्रा भी शामिल है और ऐसी शराब अधिकृत सप्लाई चैन के माध्यम से वेयरहाउस से लाइसेंसी दुकानों तक पहुंचती है। ऐसे में प्रत्येक बोतल के बैच नंबर, बारकोड और अन्य पहचान चिन्हों से यह पता लगाया जा सकता है कि शराब किस वेयरहाउस से निकली और किस लाइसेंसी दुकान के लिए जारी हुई थी।

घुनघुटी से शहडोल तक पहुंची खेप

इस मामले में अब एक गंभीर जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों का दावा है कि शहडोल में पकड़ी गई शराब का संबंध उमरिया जिले की घुनघुटी स्थित कंपोजिट शराब दुकान से हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी आबकारी विभाग की ओर से नहीं हुई है। यदि जांच में बैच नंबर घुनघुटी दुकान की सप्लाई से मेल खाता है, तो मामला केवल शहडोल में अवैध शराब



रखने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रह सकता। इसके बाद यह जांच का विषय होगा कि अधिकृत दुकान के लिए जारी शराब शहडोल तक किस माध्यम से पहुंची और क्या उसे अवैध रूप से दूसरे जिले में बेचने या खपाने की व्यवस्था की गई थी।

वेयरहाउस से निकली शराब, रिकॉर्ड खंगालना जरूरी

अंग्रेजी शराब की सप्लाई व्यवस्था को देखते हुए वेयरहाउस के रिकॉर्ड भी इस मामले में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई के दौरान वेयरहाउस प्रभारी हनुमान सिंह चौहान आबकारी कार्यालय परिसर में मौजूद थे और आबकारी निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी द्वारा जब्त शराब की जांच की गई। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि बैच नंबर और बारकोड की जांच उसी समय की गई थी तो, शराब की सप्लाई का प्राथमिक स्रोत क्या सामने आया? क्या संबंधित बैच नंबर को घुनघुटी की कंपोजिट दुकान के उठाव और बिक्री रिकॉर्ड से मिलाया गया है? यदि मिलान हुआ है तो इसकी जानकारी अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई?

उमरिया आबकारी विभाग को नोटिस या जवाब-तलब हुआ?

मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू उमरिया आबकारी विभाग की भूमिका से जुड़ा है। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि शहडोल में पकड़ी गई शराब घुनघुटी की लाइसेंसी दुकान के लिए जारी हुई थी, तो शहडोल आबकारी विभाग द्वारा उमरिया आबकारी विभाग से आधिकारिक जानकारी और रिकॉर्ड मांगा जाना स्वाभाविक है। क्या उमरिया आबकारी विभाग को कोई पत्र अथवा नोटिस भेजा गया? क्या घुनघुटी कंपोजिट दुकान से संबंधित बैच नंबर, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री विवरण और उठाव रिकॉर्ड मांगे गए? दुकान के लाइसेंसधारी से इस संबंध में स्पष्टीकरण लिया गया या नहीं? इन सवालों के जवाब अब जांच की पारदर्शिता के लिए जरूरी हो गए हैं।

कहां-कहां पहुंच रही घुनघुटी की शराब

सूत्रों का यह भी दावा है कि घुनघुटी क्षेत्र की शराब की सप्लाई बुढ़ार, धनपुरी और अमलाई क्षेत्र के अलावा छत्तीसगढ़ की ओर तक जाने की चर्चा है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। यदि विभाग के पास भी ऐसी कोई जानकारी है तो पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच की आवश्यकता है। अब देखना यह है कि शहडोल में हुई यह कार्रवाई केवल एक अवैध विक्रेता की गिरफ्तारी और शराब जब्ती तक सीमित रहती है या फिर जांच बैच नंबर वेयरहाउस, लाइसेंसी दुकान, परिवहन अवैध विक्रेता की पूरी कड़ी तक पहुंचती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि बैच नंबर की जांच कब सार्वजनिक होगी और यदि शराब दूसरे जिले की दुकान से निकली मिली तो संबंधित लाइसेंसधारी और जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी? आबकारी विभाग शहडोल और उमरिया दोनों के सामने अब इस मामले में जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखने की चुनौती है।

साहित्य के मंच पर चमका शहडोल का नाम

अखिल भारतीय कविता प्रतियोगिता में मृगेन्द्र श्रीवास्तव को उत्कृष्ट सृजन पुरस्कार

शहडोल। जिले के प्रतिष्ठित साहित्यकार और सेवानिवृत्त शिक्षक मृगेन्द्र श्रीवास्तव ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल की साख का परचम लहराया है। हिंदी रक्षक मंच द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कविता सृजन प्रतियोगिता में उनकी रचना को उत्कृष्ट सृजन पुरस्कार से अलंकृत किया गया है।

देशभर के दिग्गजों के बीच रक्षा सूत्र पर उकेरी मर्मस्पर्शी रचना

हिंदी रक्षक मंच द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व पर रक्षा सूत्र विषय पर इस अखिल भारतीय स्पर्धा का



आयोजन किया गया था, जिसमें देश के कोने-कोने से विभिन्न राज्यों के नामचीन रचनाकारों ने हिस्सा लिया था। संस्था के संस्थापक डॉ. पवन मकवाना और प्रधान संपादक डॉ. दीपमाला गुप्ता ने जानकारी दी कि 3 अक्टूबर 2026 को लंबी मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद परीक्षा परिणामों की घोषणा की गई। इसमें सिंहपुर निवासी मृगेन्द्र श्रीवास्तव की कविता ने अपनी अमिट छाप छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसके उपरांत उन्हें डिजिटल प्रशस्ति पत्र सौंपकर सम्मानित किया गया।

मंच पर लगातार दूसरी बार लहराया सफलता का परचम

मृगेन्द्र श्रीवास्तव की यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि इससे पूर्व भी इसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने अपनी रचनाधर्मिता का लोहा मनवाते हुए सम्मान हासिल किया था। उनकी इस उपलब्धि पर जिले के साहित्य प्रेमियों, परिजनों, इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है तथा उनके सुखद व उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की है।

पटवारी हड़ताल से जमीनी व्यवस्था ध्वस्त

कांग्रेसजनों की मौजूदगी में सरकार को सीधी चेतावनी



कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

शहडोल। प्रदेश में लंबे समय से चल रही पटवारियों की हड़ताल से चरमराई राजस्व व्यवस्था और किसानों की बढ़ती मुसीबतों को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मांग की है कि शासन अपनी हठधर्मिता और अड़ियल रवैया छोड़कर तत्काल पटवारियों की न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाए, ताकि आम जनता और किसानों को इस प्रशासनिक बदहाली से निजात मिल सके।ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कड़े शब्दों में कहा कि पटवारी राजस्व प्रशासन की सबसे अहम रीढ़ होते हैं। गांव-देहात में किसानों के रोजमर्रा के छोटे-बड़े काम इन्हीं के भरोसे चलते हैं। लेकिन सरकार की अनदेखी के कारण आज पूरा शहडोल जिला प्रशासनिक पंगुता का शिकार हो चुका है। उन्होंने कहा कि हड़ताल के चलते जिले में गिरदावरी का काम पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। आगामी फसल उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन अटका हुआ है, जिससे किसान खाद-बीज और अपनी उपज बेचने की तैयारियों को लेकर गंभीर अनिश्चितता के भंवर में फंस गए हैं। वक्त पर काम न होने से अन्नदाता भीषण गर्मी और परेशानी में दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।अजय अवस्थी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग इसे सिर्फ कर्मचारियों की मामूली हड़ताल समझने की भूल न करें। यह सीधे-सीधे करोड़ों किसानों और आम नागरिकों के अधिकारों पर डाका है। गिरदावरी और उपार्जन पंजीयन में हो रही देरी का खामियाजा आने वाले दिनों में किसानों को भारी आर्थिक और मानसिक क्षति के रूप में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी किसानों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि समय रहते संवाद का रास्ता निकालकर हड़ताल खत्म नहीं कराई गई, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की कि जब तक पटवारियों के साथ बातचीत करके किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंचा जाता, तब तक किसानों के अति-आवश्यक कार्यों जैसे गिरदावरी और उपार्जन पंजीयन के लिए वैकल्पिक और प्रभावी व्यवस्था तत्काल लागू की जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की वाजिब मांगों का निराकरण करना और साथ ही नागरिकों को राहत पहुंचाना सरकार की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है।इस दौरान जिला कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, राजेश बैगा, लालबाबू, वाई.पी. यादव, अनिकेश सिंह और त्रिभुवन त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि किसानों और कर्मचारियों के हक की लड़ाई सडक से लेकर संसद तक लड़ी जाएगी।

पाली नगर पालिका में लाखों का जेट्री बोर्ड घोटाला!





चंद महीनों में टूटने लगे 35 लाख के होर्डिंग्स

उमरिया। जिले की नगर पालिका परिषद बिरसिंहपुर पाली में विकास के नाम पर सरकारी खजाने को किस कदर चूना लगाया जा रहा है, इसकी जीती-जागती मिसाल शहर के चौराहों पर लटकते जेट्री बोर्ड (होर्डिंग बोर्ड) दे रहे हैं। महज कुछ महीने पहले लाखों की लागत से खड़े किए गए ये बोर्ड अब हवा के झोंकों में टूट-टूट कर बिखर रहे हैं। भ्रष्टाचार की दीमक से खोखले हो चुके ये बोर्ड पालिका के अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की कहानी खुद बयां कर रहे हैं।

5 लाख प्रति बोर्ड की लागत

नगर पालिका सूत्रों से की माने तो, नगर में प्रचार-प्रसार के नाम पर एक-एक जेट्री बोर्ड की कीमत करीब 5 लाख रुपये दर्शाई गई है। पूरे शहर में ऐसे आधा दर्जन से अधिक बोर्ड लगाकर करीब 35 लाख रुपये का वारा-न्यारा कर दिया गया। मजे की बात तो यह है कि लाखों रुपये फूंकने के बावजूद ये बोर्ड एक साल भी टिक नहीं सके। जगह-जगह से टूट रहे इन होर्डिंग्स की न तो कोई मरम्मत कराने वाला है और न ही सुध लेने वाला। घटिया सामग्री और कमीशनखोरी के बल पर खड़े किए गए ये जेट्री बोर्ड अब पालिका के पैसों की खुली बर्बादी का सबूत बन चुके हैं।

मेरे कार्यकाल का काम नहीं

जब इस फर्जीवाड़े और घटिया निर्माण को लेकर नगर पालिका के जिम्मेदार इंजीनियर से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने बड़ी आसानी से पल्ला झाड़ लिया। उनका रटा-रटाया जवाब था कि यह कार्य मेरे कार्यकाल का नहीं है, मैं तो फाइल देखकर ही कुछ कह पाऊंगा। अधिकारियों का यह गैर-जिम्मेदाराना रवैया साफ बयां करता है कि पालिका में जनता के टैक्स के पैसों की कितनी कद्र है।

तानाशाही और पैसों की खुली बर्बादी

इस मामले पर हमला बोलते हुए नगर पालिका परिषद के नेता प्रतिपक्ष संजीव खंडेलवाल (बबलू) ने कहा कि इन बोर्डों को लगाने का कोई ठोस औचित्य ही नहीं था। तानाशाही रवैया अपनाकर लगभग 35 लाख रुपये की शासन राशि को पानी में बहा दिया गया है। उन्होंने इस पूरे निर्माण कार्य और क्रय प्रक्रिया की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

लापरवाह अफसरों पर गिरेगी गाज

100 दिन से लटकी सीएम हेल्पलाइन की फाइलों पर भड़के सीईओ



शहडोल। जनता की शिकायतों को ठंडे बस्ते में डालने और कागजी लीपापोती करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के अब दिन गिन चुके हैं। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने साफ कर दिया है कि जनसमस्याओं के निराकरण में हीलाहवाली किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्ट्रेट के विराट सभागार में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में उन्होंने ढुलमुल रवैया अपनाने वाले विभागाध्यक्षों को कड़े शब्दों में अल्टीमेटम थमा दिया है।

अर्जी डंप की तो नपेंगे अधिकारी

बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने तल्ख लहजे में निर्देश दिए कि 100 दिन ही नहीं, बल्कि 1000 दिनों से अधिक समय से लंबित पड़ी शिकायतों का आगामी बैठक से पहले हर हाल में निपटारा किया जाए। सीईओ ने सबसे सख्त रुख फर्जी और निम्न गुणवत्ता के आधार पर जबरन शिकायतें बंद कराने वाले अधिकारियों पर अपनाया। उन्होंने दोटूक चेतावनी दी कि अगर किसी विभाग ने शिकायतकर्ता को संतुष्ट किए बिना या लीपापोती करके फाइल बंद की, तो संबंधित अधिकारी पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई गाज बनकर गिरेगी।

सीपी ग्राम और आयोग के पत्रों पर हडक़ंप

केवल सीएम हेल्पलाइन ही नहीं, बल्कि सीपी ग्राम, सीएम हाउस, सीएम मॉनिटर और विभिन्न राष्ट्रीय-राज्यीय आयोगों से प्राप्त होने वाले पत्रों की समीक्षा के दौरान भी प्रशासनिक गलियारे में हडक़ंप मचा रहा। सीईओ ने स्पष्ट किया कि समय-सीमा वाले पत्रों में एक दिन की देरी भी भारी पड़ सकती है। संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्धारित अवधि के भीतर तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

अगली रैंकिंग में चाहिए बेहतर प्रदर्शन

जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने सभी विभागों को गत माह की तुलना में इस बार की रैंकिंग सुधारने की कड़ी ताकीद की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल कागजों में खानापूर्ति करने के दिन लद चुके हैं। आम जनता की शिकायतों का मौके पर जाकर समाधानकारक निराकरण ही एकमात्र मापदंड होगा। अब देखना यह है कि इस सख्त चाबुक के बाद कुंभकर्णी नींद में सोए विभाग हरकत में आते हैं या फिर लापरवाह अफसरों पर सीधे गाज गिरती है।

सरकारी फाइलों पर नकेल

शहडोल। प्रशासनिक लेट-लतीफी और फाइलों को लटकाने की पुरानी परिपाटी पर जिला प्रशासन ने अब पूरी तरह से नकेल कसना शुरू कर दिया है। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित मैराथन बैठक में न्यायालयीन प्रकरणों, भू-अर्जन और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी कृषि धन-धान्य योजना की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान सुस्त अफसरों को सख्त हिदायत देते हुए सीईओ ने साफ कर दिया है कि आम जनता के हक और सरकारी जमीनों के आवंटन में एक दिन की भी हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भू-अर्जन के मामलों की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि जिन प्रभावितों की जमीनें अधिग्रहित की गई हैं, उन्हें समय पर मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया कि मुआवजे की फाइलों को बिना वजह अटकाने वाले टेबल बाबुओं और अधिकारियों पर नजर रखें और त्वरित कार्रवाई करें। वहीं जिन विभागों को सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की दरकार है, उन्हें हिदायत दी गई कि वे आवेदन की मूल कॉपी के साथ तत्काल संबंधित एसडीएम से संपर्क करें, ताकि जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया को तेज रफ्तार दी जा सके।केंद्र सरकार की फ्लैगशिप कृषि धन-धान्य योजना में ढिलाई बरतने पर चार प्रमुख विभागों कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन और सहकारिता विभाग—की जमकर क्लास ली गई। सीईओ प्रजापति ने निर्देश दिए कि योजना से जुड़े आंकड़े और प्रोग्रेस रिपोर्ट को तत्काल पोर्टल पर अपडेट किया जाए।

वाहन लगाने के नाम पर आदिवासी से 30 हजार की ठगी!

उधारी चुकाने की बजाय दी गालियां, सोहागपुर थाने पहुंची शिकायत

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धोखाधड़ी और ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक दबंग ने आदिवासी ग्रामीण को अपने जाल में फंसाकर हजारों रुपये और दस्तावेज ऐंठ लिए। जब पीड़ित ने अपनी गाड़ी लगवाने या रकम वापस मांगने की कोशिश की, तो आरोपी ने फोन पर गालियां देकर जान से मारने और धमकी देने का घिनौना खेल शुरू कर दिया। पीड़ित ने पुलिस थाना सोहागपुर और अजाक थाने में शिकायत दर्ज कराकर सख्त कार्रवाई और अपनी रकम वापसी की गुहार लगाई है।

गाड़ी लगवाने का दिया झांसा

सोहागपुर तहसील के ग्राम मैकी निवासी रामकुमार बैगा पिता स्व. रामरतन बैगा ने पुलिस को सौंपे शिकायती पत्र में अपनी आपबीती सुनाई है। पीड़ित के अनुसार, ग्राम कोटमा निवासी आरोपी अनुराग मिश्रा उम्र 40 वर्ष, पिता बद्री प्रसाद मिश्रा ने पुरानी जान-पहचान का फायदा उठाते हुए उसे अपनी बातों के जाल में फंसाया। आरोपी ने दावा किया कि अनूपपुर जिले के जैतहरी स्थित मोजर बेयर कंपनी में उसकी तगड़ी पहुंच और जान-पहचान है, जहां वह पीड़ित की चार पहिया गाड़ी अटैच करवा देगा। इस झांसे में आकर रामकुमार बैगा ने आरोपी को रजिस्ट्रेशन कार्ड, बीमा, दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 30 हजार रुपये नकद सौंप दिए। आरोपी ने यह भी दिलासा दिया था कि सिक्योरिटी कटने के बाद सारा पैसा वापस मिल जाएगा।

न गाड़ी लगी, न पैसा मिला

महीनों बीत जाने के बाद भी जब रामकुमार की गाड़ी कंपनी में नहीं लगी और आरोपी का टालमटोल का रवैया बढ़ता गया, तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। जब भी पीड़ित अपने पैसे या गाड़ी के बारे में पूछने आरोपी के घर जाता, तो वह गायब मिलता। हद तो तब हो गई जब 30 सितंबर 2026 की रात करीब 8 बजे आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल पर खुद फोन करके आपा खो दिया। आरोप है कि फोन पर आरोपी ने पीड़ित बैगा आदिवासी को जातिसूचक गालियां देते हुए साफ कह दिया कि तेरा पैसा वापस नहीं करूंगा, जो करना हो कर ले।

याय की आस में सोहागपुर थाने पहुंचा पीड़ित

आरोपी की गुंडागर्दी और लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर पीड़ित रामकुमार बैगा ने 1 अक्टूबर 2026 को सोहागपुर पुलिस थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने आरोपी अनुराग मिश्रा के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और गाली-गलौज की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने तथा अपनी गाढ़ी कमाई के 30 हजार रुपये वापस दिलाने की मांग की है।

कार्यालय नगर पालिका परिशद धनपुरी, जिला - शहडोल (म. प्र.)
(कार्यालय दूरभाश नं. एवं फैक्स नं. 07652-250318, E-mail ID-cmodhanpuri@mpurban.gov.in.)

क्रमांक/न.पा./लो.नि./2026-27/1311 धनपुरी, दिनांक 01/10/20026

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	1283-Date-29-09-2026 2026_UAD_539488_1	Construction of BT road, Widening of road and shifting of water supply pipeline at ward no 01 Transformer to Municipal Border.	60 दिवस 63.52 लाख	10000/- एवं 47700/-	30.10.2026 05:30PM
2	1285-Date-29-09-2026 2026_UAD_539503_1	Construction / Laying of Paver Block, Const.of GI Shed, Const. of Chabutara,Const. of welcome gate And Const. of Cultural Stage at ward no 14.	60 दिवस 30.96 लाख	5000/- एवं 23300/-	30.10.2026 05:30PM
3	1284-Date-29-09-2026 2026_UAD_539496_1	Strenghthening of BT road at ward no 03 Behind Vijay shah house to Kalika Singh and vinod medical to arihant colony.	60 दिवस 17.28 लाख	2000/- एवं 13000/-	30.10.2026 05:30PM

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला - शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप



सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

कोतमा। सेवा सेतु अभियान अंतर्गत सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत कोतमा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्र 07 स्थित मंगल भवन में आयोजित किया गया। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ उपाध्यक्ष श्रीमती वैशाली बद्री ताम्रकर,पार्षद अभिषेक सराफ, श्रीमती छाया प्रदीप सोनी, एल्डरमैन विजय पाण्डेय नन्द कुमार गुप्ता दीपक यादव, श्रीमती तृप्ति सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मोहनी धर्मेन्द्र वर्मा, उमेश व्योहार जितेन्द्र भट्ट युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अटल व्योहार प्रदीप सोनी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, टी आर नाग तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। शिविर में राजस्व, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण विभागों के स्टॉल लगाए गए थे। शिविर में कुल 150 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया गया। वहीं, अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल पर भी नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। बड़ी संख्या में वार्डवासी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर शिविर में पहुंचे उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगणों, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वच्छता सफाई वीरो को पुष्पगुच्छ, शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया।

सौतेली मां पर गड़ासा से हमला, दो पुत्रों पर मामला दर्ज

कोतमा। थाना अंतर्गत बुढानपुर गांव में घरेलू विवाद को लेकर दो युवकों द्वारा अपनी सौतेली मां पर गड़ासा से हमला कर घायल करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के बाद घायल महिला ने कोतमा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गाली-गलौज, हमला एवं जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी कलावती चैधरी (36) पति ढोला चैधरी ने शिकायत में बताया कि उसके पति ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उसे दूसरी पत्नी के रूप में रखा है। पुत्र जयनाथ चैधरी एवं जगन्नाथ चैधरी द्वारा घरेलू विवाद को लेकर आए दिन विवाद किया जाता है तथा रुपयों की मांग की जाती है। मांग पूरी करने से मना करने पर दोनों आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। महिला ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान दोनों युवकों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसके पैर में चोट आई। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस द्वारा मामले विवेचना करते हुए आरोपियों की तलाश की जा रही है।

9 अक्टूबर को कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारी करेंगे ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण

मानपुर। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह व्दारा ग्रामीण अंचलों का आगामी 9 अक्टूबर को भ्रमण किया जाएगा। मानपुर विकासखंड अंतर्गत पनपथा क्षेत्र के अधीनस्थ विभागीय कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण होगा तथा तदुपरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक पनपथा में आयोजित जन संवाद स्थल में विभागीय अधिकारी उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएंगे तथा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि पनपथा , बम्हनगवां, चिल्हारी, चंदवार, चंसुरा, पलझा, बेल्दी, पडवार , सुखदास, कसेरू, बकेली का भ्रमण किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में गरजे कलेक्टर-एसपी, डीजे पर नकेल

त्योहारों में हुड़दंग मचाया तो खैर नहीं!



पंडालों की सुरक्षा से लेकर विसर्जन कुंड तक सख्त पहरा

उमरिया। आगामी शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी के पावन पर्वों को जिले में शांति, सौहार्द और पूरी पवित्रता के साथ संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की हाई-प्रोफाइल बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने कड़े लहजे में साफ कर दिया है कि आस्था के आंचल में अनुशासनहीनता और हुड़दंगई किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 11 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर को विजयादशमी तक चलने वाले इस नौ दिवसीय शक्ति पर्व को लेकर प्रशासन ने सख्त गाइडलाइन जारी कर दी है। बैठकों के दौर के साथ ही साफ संदेश दे दिया गया है कि नियमों को ठेंगा दिखाने वाले आयोजकों और असामाजिक तत्वों पर कानून का चाबुक चलना तय है।

इको-फ्रेंडली प्रतिमाएं ही होंगी स्थापित

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में आम रास्तों और मुख्य सडक़ों को घेरकर पूजा पंडाल नहीं बनाए जाएंगे। यदि किसी पंडाल से यातायात प्रभावित हुआ तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि केवल मिट्टी (पीओपी मुक्त) से निर्मित मां दुर्गा की प्रतिमाएं ही स्थापित होंगी। पंडालों की सुरक्षा का पूरा दारोमदार आयोजन समितियों के कंधों पर होगा। इसके अलावा, बिजली चोरी पर लगाम कसते हुए सभी सार्वजनिक पंडालों के लिए विद्युत मंडल से अस्थायी बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना अनुमति तार डालकर जगमगाहट करने वालों पर सीधी एफआईआर दर्ज की जाएगी।

एसडीएम की अनुमति के बिना नहीं होगा गरबा

नवरात्रि के दौरान बजने वाले कानफोड़ू डीजे और अनियंत्रित शोर पर प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। निर्धारित डेसिबल सीमा के भीतर ही केवल भक्ति गीतों को बजाने की अनुमति होगी। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए हैं कि ऑर्केस्ट्रा या गरबा कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एसडीएम से पूर्व लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति या मर्यादा से बाहर जाकर कार्यक्रम करने वालों पर तत्काल ताला जड़ दिया जाएगा।

चल समारोह में नशेडिय़ों की नो-एंट्री

20 अक्टूबर विजयादशमी के दिन मंगल भवन, नया बस स्टैंड और बहराधाम मंदिर परिसर में विशाल रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न होगा। इसके बाद शहर के मंगल भवन और नए बस स्टैंड पर प्रतिमाओं का एकत्रीकरण होगा, जहां से ऐतिहासिक चल समारोह (झांकी) की शुरुआत होगी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने असामाजिक तत्वों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि नशे की हालत में चल समारोह में शामिल होने वालों को सीधे हवालात की हवा खानी पड़ेगी। चल समारोह की सुरक्षा के लिए समिति के सदस्यों को अपनी संस्था का पहचान पत्र (आईडी कार्ड) पहनना अनिवार्य होगा। विसर्जन के समय किसी भी अप्रिय हादसे को रोकने के लिए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छोटे बच्चों को विसर्जन स्थलों से दूर रखा जाए। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन कुंडों पर गोताखोर, तैराक और लाइफ जैकेट की पुख्ता व्यवस्था रखी जाए।

बिजली-सफाई पर अलर्ट मोड में विभाग

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विद्युत विभाग को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि चल समारोह के रास्तों पर लटक रहे मौत के जंजाल यानी जर्जर और झूलते बिजली के तारों को तत्काल कसकर दुरुस्त किया जाए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं शहर का दौरा कर सभी जुलूस मार्गों और पंडाल क्षेत्रों में दिन-रात सफाई अभियान चलाएं। शहर की सडक़ों पर आवारा मवेशियों के जमावड़े को हटाने के लिए विशेष दस्ता तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

थाना स्तर पर बनेगी निगरानी रणनीति

एसपी भागवानी ने बताया कि अनुभाग और थाना स्तर पर भी शांति समिति की बैठकें लेकर आयोजकों को नियमों की सीमा में रहने की हिदायत दी जा रही है। शहर के कोने-कोने में सादे कपड़ों में पुलिस बल तैनात रहेगा, जो असामाजिक तत्वों की हर हरकत पर पैनी नजर रखेगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीओपी पी.एस. परस्ते, पूर्व विधायक अजय सिंह, आशुतोष अग्रवाल, मिथिलेश पयासी, शंभूलाल खट्टर, राजेश शर्मा, धनुषधारी सिंह, राकेश प्रताप सिंह, त्रिभुवन प्रताप सिंह, मेहंदी हसन, कीर्ति सोनी, राजेंद्र कोल, भंडारी सिंह, इंजी. विजय कोल, मिथिलेश राय, सुमित गौतम, असलम शेर, वीरेंद्र सिंह सेंगर सहित जिले के तमाम गणमान्य नागरिक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

अफसरों की नाफरमानी से नरक बना मुडगुड़ी

बदहाल सडक़ और उफनती नालियों ने छीना ग्रामीणों का सुकून



मानपुर। विकास के बड़े-बड़े दावों और कागजी योजनाओं की जमीनी हकीकत देखनी हो, तो जनपद पंचायत मानपुर के मुडगुड़ी गांव चले आइए। यहां की बदहाल सडक़ें, जगह-जगह टूटी और बजबजाती नालियां तथा राहों में पसरा कीचड़ शासन-प्रशासन के मुंह पर करारा तमाचा जड़ रहे हैं। नरकीय जीवन जीने को मजबूर ग्रामीणों और उद्वेलित युवा जनशक्ति का सब्र अब जवाब दे चुका है। बार-बार गुहार लगाने के बाद भी जब प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, तो आक्रोशित ग्रामीणों ने कलेक्टर राखी सहाय के नाम स्मरण पत्र सौंपकर आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है।

बजबजाती नालियों से महामारी का खौफ<- मुडगुड़ी गांव में बदहाली का आलम यह है कि स्कूली बच्चों को हर दिन मौत और कीचड़ के सफर से गुजरना पड़ रहा है। कई वार्डों में नालियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त और खुली पड़ी हैं, जिससे निकासी ठप हो चुकी है। मामूली बारिश होते ही गंदा पानी और बदबूदार कीचड़ सडक़ों पर सैलाब बनकर तैरने लगता है। सुबह-सुबह साफ-सुथरी ड्रेस पहनकर स्कूल के लिए निकलने वाले छोटे-छोटे मासूम बच्चे कीचड़ से लथपथ होकर घर लौटने को मजबूर हैं। गांव के मुख्य रास्तों पर जलजमाव के कारण चलना दूभर हो गया है। जगह-जगह ठहरे गंदे पानी से उठती दुर्गंध और पनपते मच्छरों के कारण पूरे गांव में डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर महामारियों का भयानक साया मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार आंखें मूंदे तमाशा देख रहे हैं।

कुंभकर्णी नींद में सो रहे जनपद सीईओ ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि मानपुर जनपद सीईओ अंकित शिरोठिया जनता की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनहीन बने हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने कई बार सीईओ के दफ्तर के चक्कर काटे, गिड़गिड़ाए और बदहाली की तस्वीरें दिखाईं, लेकिन साहब अपनी कुंभकर्णी नींद से जागने को तैयार नहीं हैं। अधिकारियों की इस घोर लापरवाही और अकर्मण्यता से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी अपनी वातानुकूलित कुर्सियों से बाहर निकलकर धरातल पर झांकने की फुर्सत ही नहीं जुटा पा रहे, तो आम जनता की सुनवाई आखिर कहां होगी?

11 सितंबर की अर्जी पर नहीं पसीजा दिल- स्मरण पत्र में ग्रामीणों ने स्पष्ट उल्लेख किया है कि इससे पूर्व 11 सितंबर 2026 को भी प्रशासनिक तंत्र को ज्ञापन सौंपकर मुडगुड़ी की चरमराती व्यवस्था से अवगत कराया गया था।

बेपरवाह वाहन चालकों पर मानपुर में यातायात पुलिस का चाबुक

102 गाडिय़ों के कटे चालान, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वालों की आई आफत



उमरिया। सडक़ों पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले और अपनी जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले बेपरवाह वाहन चालकों की अब खैर नहीं है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के सख्त निर्देशों के तहत प्रदेश भर में चलाए जा रहे शून्य मृत्यु लक्ष्य अभियान के अंतर्गत उमरिया यातायात पुलिस ने मानपुर कस्बे में जोरदार सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस की इस अचानक हुई ताबड़तोड़ चेकिंग से नियम तोडऩे वाले चालकों में हडक़ंप मच गया और कई वाहन चालक तो पुलिस को देखते ही गलियों से भागते नजर आए। पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के कड़े रुख और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी उमरिया के सीधे निर्देशन में यातायात विभाग की टीम ने मानपुर के चप्पे-चप्पे पर जाल बिछाया। बीजौरी तिराहा, बस स्टैंड समेत मुख्य चौराहों और हाईवे पर वाहनों को रोककर सघन जांच अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी प्रियंका शर्मा और शरद श्रीवास्तव की अगुवाई में पुलिस टीम ने बिना हेलमेट दोपहिया दौड़ाने वालों और चार पहिया वाहनों में बिना सीट बेल्ट बांधे टहलने वालों को सडक़ पर ही रोक लिया। कार्रवाई के दौरान नियम तोडऩे वाले 102 वाहन चालकों के हाथ में मौके पर ही भारी-भरकम जुर्माना रसीद थमा दी गई। पुलिस ने साफ कर दिया कि सडक़ पर उतरने से पहले सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य है, लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सिर्फ चालान नहीं, दी जीवन रक्षा की सीख

कार्रवाई केवल चालान काटने तक सीमित नहीं रही। यातायात पुलिस ने बीच सडक़ पर नियम तोडऩे वालों को रोककर यह भी अहसास कराया कि एक हेलमेट कैसे किसी परिवार का चिराग बुझने से बचा सकता है। इसके लिए चालकों को मौके पर ही वीडियो क्लिप दिखाकर हेलमेट की असली कीमत समझाई गई। पुलिस अधिकारियों ने पैदल यात्रियों के नियम, हाईवे ड्राइविंग की बारीकियां, गाडिय़ों के खतरनाक ब्लाइंड स्पॉट से बचाव और वाहनों में अनिवार्य एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) नंबर प्लेट की उपयोगिता पर सख्त क्लास ली। साथ ही, पंपलेट बांटकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं—जैसे सडक़ हादसों में घायलों के त्वरित इलाज के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट योजना, हिट एंड रन पीड़ित मुआवजा योजना और घायलों की मदद करने वाले राहवीर योजना (गुड सेमेरिटन) की पूरी जानकारी दी गई।

कानून से खिलवाड़ पड़ेगा भारी

थाना प्रभारी प्रियंका शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में ताकीद की है कि मानपुर की सडक़ों पर अब मनमानी नहीं चलेगी। अगर जान प्यारी है, तो हेलमेट और सीट बेल्ट पहनकर ही वाहन चलाएं। पुलिस की यह कार्रवाई कोई एक दिन का तमाशा नहीं है, बल्कि अभियान की अवधि तक और उसके बाद भी यह हंटर लगातार चलता रहेगा। स्थानीय पुलिस टीम ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों को केवल पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपनी और अपनों की सुरक्षा के लिए आत्मसात करें।

मां नर्मदा के दरबार में पहुंचे जगद्गुरु शंकराचार्य, विधिवत पूजन कर लिया आशीर्वाद

नर्मदा मंदिर में पुजारीगण ने किया विशेष सम्मान, श्री मार्कंडेय आश्रम में हुआ पादुका पूजन

अमरकंटक।



मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में सोमवार को आध्यात्मिक वातावरण उस समय और अधिक गरिमामय हो उठा, जब द्वारका शारदा पीठाधीश्वर अनंत विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने मां नर्मदा मंदिर पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया। जगद्गुरु के मंदिर पहुंचने पर पुजारीगण एवं सेवायतों द्वारा परंपरागत रूप से उनका विशेष सम्मान किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा का विशेष पूजन-वाचन संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर श्रद्धा और भक्ति के भाव से अभिभूत नजर आया। जगद्गुरु शंकराचार्य ने मां नर्मदा के पावन उद्गम का दर्शन कर पूजा-अर्चना की और मां नर्मदा से लोककल्याण की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके सान्निध्य में संपन्न धार्मिक अनुष्ठान ने अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक व्यापकता प्रदान की। दर्शन-पूजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

संतों के सान्निध्य से बढ़ी आयोजन की गरिमा

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के साथ उनके भक्तगण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर मार्कंडेय आश्रम के अग्निपीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि स्वामी रामकृष्णानंद महाराज तथा स्वामी नर्मदानंद महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। संतों के सान्निध्य से नर्मदा मंदिर परिसर का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। नर्मदा मंदिर में पूजन-अर्चन के पश्चात जगद्गुरु शंकराचार्य मार्कंडेय आश्रम पहुंचे। यहां आश्रम के आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि स्वामी रामकृष्णानंद महाराज के शिष्यों ने श्रद्धापूर्वक उनका स्वागत किया। आश्रम परिसर में वैदिक परंपरानुसार पादुका पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ पादुकाओं का पूजन कर संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शिष्यों ने श्रद्धाभाव से किया पादुका पूजन

श्री मार्कंडेय आश्रम में आयोजित पादुका पूजन में राम नरेश दुबे एवं गिरिजा शंकर पाण्डेय सपरिवार उपस्थित रहे। उन्होंने श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर जगद्गुरु शंकराचार्य एवं संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आश्रम परिसर में गुरु-शिष्य परंपरा की अद्भुत छटा देखने को मिली। शंकराचार्य के सान्निध्य और संतों की उपस्थिति ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। सनातन परंपरा में गुरु की पादुकाओं को श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक माना गया है। इसी भाव के साथ श्रद्धालुओं ने पादुका पूजन में सहभागिता की।

अमरकंटक में आध्यात्मिक चेतना का संगम

मां नर्मदा के पावन दर्शन से लेकर श्री मार्कंडेय आश्रम में पादुका पूजन तक पूरा आयोजन सनातन संस्कृति और संत परंपरा की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता रहा। एक ओर नर्मदा मंदिर में वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी तो दूसरी ओर आश्रम परिसर में गुरु-भक्ति और श्रद्धा का वातावरण दिखाई दिया। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज की अमरकंटक यात्रा को श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर बताया। मां नर्मदा की पावन धरा पर संतों के इस संगम ने अमरकंटक की धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहचान को और अधिक सशक्त किया।

एसईसीएल मकान की बालकनी गिरी, महिला गंभीर घायल

इंदिरा नगर कॉलोनी में हादसे से मची अफरा-तफरी



मलबे में दबने से महिला को आई गंभीर चोटें'

उमरिया। परिषद बनगवां (राजनगर) के वार्ड क्रमांक 13, इंदिरानगर कालोनी स्थित एसईसीएल कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक बजे के समय अफरा-तफरी मच गई। जब एक एसईसीएल आवास की बालकनी का हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। हादसे में मकान के पीछे काम कर रही। महिला मलबे के नीचे दब गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला और उपचार के लिए मनेंद्रगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसईसीएल उपक्रमों की सुरक्षा के लिए तैनात सीआईएसएफ के जवानों को इंदिरा नगर कॉलोनी में आवास आवंटित किए गए हैं। जिसमें मकान नंबर एम-108 में सीआईएसएफ जवान कमलेश मरकाम अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। घटना के समय कमलेश मरकाम ड्यूटी पर थे। जबकि उनका बड़ा बेटा विद्यालय गया था और छोटा बेटा बाहर खेल रहा था। उनकी पत्नी दीना मरकाम मकान के पीछे किसी कार्य में लगी हुई थीं। इसी दौरान अचानक ऊपर की बालकनी का पूरा हिस्सा उनके ऊपर आ गिरा और वह मलबे में दब गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्परता से मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला। महिला के कमर, हाथ, सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर एसईसीएल प्रबंधन ने एंबुलेंस भेजी। नगर परिषद में सूचना मिलते ही यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद एंव लल्ला चैहान जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा व नगर परिषद के कर्मचारी भी मौके से घटनास्थल पर पहुंचे। सभी लोगो ने घायल महिला को तत्काल मनेंद्रगढ़ शासकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। वर्तमान में जर्जर बी टाइप कालोनी एंव इंदिरा नगर कॉलोनी, कमलनगर कॉलोनी, सुभाष नगर (फौजनगर कॉलोनी) ,की आवासों को लेकर उठ रहे हैं सवाल क्या हादसे के बाद हसदेव क्षेत्र एसईसीएल कालोनी के आवासों की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। रहवासियों का आरोप है, कि कॉलोनी के कई मकान लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। कुछ दिन पूर्व भी एक आवास की बालकनी गिरने की घटना सामने आ चुकी है। इसके बावजूद शिकायतों के बाद भी आवासों की मरम्मत और आवश्यक रख रखाव नहीं कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने एसईसीएल के सिविल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते जर्जर मकानों का निरीक्षण और मरम्मत कराई जाती तो ऐसे हादसों को टाला जा सकता था।

खबर संक्षेप

ग्राम पंचायत भवन कटकोना में ताला तोड़कर अज्ञात चोर



बुढ़ार। ग्राम पंचायत कटकोना के नवीन पंचायत भवन में ताला तोड़कर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पंचायत द्वारा थाना बुढ़ार में पंचायत सचिव रुपेंद्र काक्षी ने लिखित सूचना देकर मामले की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।पंचायत की ओर से 4 अक्टूबर 2026 को थाना प्रभारी खेम सिंह प्रेंद्रो को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि नवीन पंचायत भवन कटकोना में रखी सामग्री में से टीवी, कंप्यूटर सेट एवं अन्य अभिलेख की चोरी हुई है। आवेदन के अनुसार चोरी 2 अक्टूबर 2026 की देर रात्रि में होने की बात सामने आई है।घटना की जानकारी मिलने के बाद पंचायत की ओर से पुलिस को सूचना दी गई है। अब पुलिस द्वारा पंचायत भवन में हुई चोरी के संबंध में जांच कर चोरी गई सामग्री एवं घटना में शामिल लोगों का पतासजी में जूट गई है। पंचायत भवन जैसे सार्वजनिक संस्थान में चोरी की घटना से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच के बाद ही चोरी गई सामग्री की वास्तविक संख्या और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

नगर में 6 अक्टूबर को लगेगा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का विशेष शिविर

बुढ़ार। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के वितरण केंद्र कार्यालय बुढ़ार में 6 अक्टूबर 2026, मंगलवार को सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य विद्युत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया में सहायता करना है।
शिविर में उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर योजना की विस्तृत जानकारी, योजना के लिए पंजीयन एवं आवेदन में सहायता, आवश्यक दस्तावेज एवं पात्रता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा अधिकृत बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से सोलर संयंत्र के लिए ऋण सुविधा तथा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान एवं सब्सिडी से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी।शिविर में सोलर संयंत्र की स्थापना एवं नेट मीटरिंग प्रक्रिया के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे शिविर में उपस्थित होकर योजना की जानकारी प्राप्त करें और अपने घर पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली खर्च में बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में सहभागी बनें। विशेष शिविर के सम्बंध में सहायक अभियंता विकास गोंडदुडे ने बताया कि आयोजन वितरण केंद्र कार्यालय, बुढ़ार, जिला शहडोल में किया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। विभाग के अनुसार समय में परिवर्तन संभव है। अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता वितरण केंद्र कार्यालय बुढ़ार से संपर्क कर सकते हैं।

इंडोर स्टेडियम में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लगाए गए स्टॉल

सेवा संकल्प अभियान में योजनाओं का लाभ दिलाने लगा शिविर, लेकिन 28 वार्डों में प्रचार की कमी खली

धनपुरी। "स्वच्छता ही सेवा-2026" अभियान के तहत रविवार को नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा इंडोर स्टेडियम में "सेवा संकल्प अभियान" आयोजित किया गया। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन और आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई गई।
अभियान में गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों और पात्रता पर्चीधारी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया बताई गई। जिन पात्र लोगों को अब तक आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें आवेदन करने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन के परीक्षण और निराकरण के बाद पात्रता के अनुसार योजना का लाभ दिया जा सकेगा।



योजना पहुंचाने का दावा, प्रचार-प्रसार पर सवाल

एक ओर नगर पालिका द्वारा पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अभियान आयोजित किया गया, वहीं दूसरी ओर नगर के सभी 28 वार्डों में पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं होने का मुद्दा भी सामने आया। दूर-दराज के वार्डों में रहने वाले अनेक पात्र परिवारों को कार्यक्रम की जानकारी समय पर नहीं मिल पाने से वे शिविर तक नहीं पहुंच सके।
नगरवासियों का कहना है कि यदि अभियान से पहले प्रत्येक वार्ड में मुनादी, सूचना और व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाता तो बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवार इंडोर स्टेडियम पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते थे। सरकारी योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा, जब उसकी जानकारी अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।

विधायक व नपा अध्यक्ष ने हितग्राहियों से किया संवाद

कार्यक्रम में विधायक जयसिंह मरावी एवं नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से आगे आकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। विभागीय स्टॉलों पर हितग्राहियों को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई।
सेवा संकल्प अभियान का संदेश स्पष्ट रहा—सरकार की योजनाएं कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका वास्तविक लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। इसके लिए अब नगर के 28 वार्डों में व्यापक प्रचार-प्रसार और वार्ड स्तर पर शिविर लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

बघईया, नरगडा आसपास के नाले से रेत का अवैध उत्खनन जोरों पर

अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप, कार्यवाही की मांग

धनपुरी । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोगों ने बताया कि धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बघइया,नरगडा नदी, सहित इन्हीं नदियों से जुड़ी जगह जगह स्थानो से इन दिनों रेत का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से चल रहा है। कथित रेत माफियाओं को ना तो प्रशासन का डर है ना ही किसी प्रकार की कारवाही का। रेत का अवैध उत्खनन जगह-जगह धड़ल्ले से चल रहा है। बताया जाता है कि हो रहे बरसात से काफी रेट एकत्र हो गया है जिसको सुबह शाम, चोरी छुपे निकाला जा रहा है मगर पुलिसिया कार्यवाही नहीं हो रही है जिससे इनके हौसले बढ़े हुए हैं।
जानकारी में बताया जा रहा है कि चोरी छिपे आज टेक्टर में रेत ले जाते पुलिस ने पकड़ा और उसके बाद आगे की कार्यवाही की जानकारी नहीं हो पाई कुछ लेना देना बात हो रही थी।

रेत अवैध उत्खनन

स्थानीय निवासियों का कहना है कि अवैध उत्खनन का खेल धड़ल्ले से क्षेत्र के अंदर चल रहा है। यह बात सभी को पता है मगर पुलिस की कार्यवाही न करने की वजह से शक के दायरे में आ



रही है रोज रेत गाड़ियां निकाली जाती है और नगर में कहीं पर भी बिंदास तरीके से पहुंचाई जाती है इन अवैध उत्खनन वालों को किसी प्रकार भय डर दिखाई नहीं दे रहा है जो इस बात का प्रमाण है कि पुलिस का वरदहस्त रेत माफियाओं को प्राप्त है।

टूट रही नदी की सांसें

गौरतलब है कि इन बघइया, नरगडा नदी आसपास नालों से बेधड़क रेत चोरी को लेकर कार्य वाही न होने के चलते नदी नालों की सांसे टूट चुकी हैं और इसका एक कारण खनन माफियाओं द्वारा उक्त नाला मे लगातार रेत उत्खनन किया जा रहा रेत का अबैध उत्खनन से जिससे नाला का स्वरूप दिनों दिन बिगड़ रहा है साथ ही कर्ताधर्ताओं का नकारापन है जो इन पर अंकुश लगाने के बजाय रेत माफियाओं को सह दे रहे है ।

कार्यवाही की मांग

नगर की जनता जनों ने बताया कि अभी तक क्षेत्र में इस तरह की रेत चोरी घटना घटित नहीं होती थी लेकिन रेत चोरी की घटना व आसपास नालो से रेत की चोरी से आम जन अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं भयभीत नजर आ रहे हैं। जनता जनार्दन कार्यवाही की मांग की जा रही है जिससे अमन शांति कायम रह सके।

नगर परिषद बरगवां-अमलाई के विकास कार्यों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों और एल्डरमैन ने CMO को सौंपा ज्ञापन

बरगवां-अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की मांग को लेकर भाजपा के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) को और अध्यक्ष गीता गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान नगर परिषद के वरिष्ठ भाजपा नेता एल्डरमैन संदीप पुरी, परिषद के उपाध्यक्ष राज तिवारी एवं एडवोकेट अरविंद साहनी, बीजेपी बूथ अध्यक्ष वार्ड क्रमांक 7 तथा मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे
संदीप पुरी ने ज्ञापन देकर विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सीएमओ से चर्चा किया जिसमें आमलाई स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम और अतिरिक्त हाल के अलावा अतिरिक्त भवन के सौंदर्य करण शिव मंदिर वार्ड क्रमांक 7 में रंगमंच की मांग ज्ञापन में नगर के विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर करने, आगामी त्योहारों को देखते हुए व्यापक स्तर पर सफाई एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने की मांग की गई। साथ ही वार्ड क्रमांक-5 स्थित सिद्ध बाबा मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण, चौहद्दी निर्माण तथा नागरिकों के बैठने एवं घूमने के लिए पार्क विकसित करने का सुझाव दिया गया। वहीं विधायक विशाहुलाल जी ने भी पत्र लिखकर इन समस्याओं के साथ शिव मंदिर अमली कैंप में रंगमंच बनाने का भी आदेश दिया है
एडवोकेट अरविंद साहनी ने वार्ड क्रमांक-7 सहित अन्य क्षेत्रों में सड़क की आवश्यकता का मुद्दा उठाते हुए सी आर ओ कैंप से गीता ग्राम की सीमा तक सड़क निर्माण की मांग रखी। इसके अलावा कैंप स्थित पुराने शिव मंदिर में रंगमंच बाउंड्रीवॉल, स्टेज, रंग-रोगन एवं पार्क निर्माण की आवश्यकता बताई। इसके अलावा साहनी ने



प्रमुख मुद्दा उठाकर कहा कि इन चार क्षेत्रों में अभी भी खंभयुक्त स्ट्रीट लाइट पूर्ण रूप से नहीं लगा है जिसे खंबे मे लगाकर सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाई जाए
मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह ने वार्ड क्रमांक-1 में प्रस्तावित स्टेज निर्माण में उपलब्ध पुरानी जगह का समुचित उपयोग करते हुए अपेक्षाकृत बड़ा स्टेज बनाए जाने का आग्रह किया। वहीं शांति नगर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सीमेंटकरण एवं चौहद्दी निर्माण की मांग भी रखी गई।
ज्ञापन के माध्यम से नगर परिषद क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सुविधाओं, प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने की मांग भी रखी गई। इस दौरान नगर परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता को भी उक्त मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की आवश्यकताओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों के विरोध के बावजूद बांध तोड़ने का प्रयास, FIR दर्ज कराने पहुंचे ग्रामीणों को नहीं मिला न्याय

पाली। बजरंग पवार इस्पात लिमिटेड कंपनी द्वारा गांव के बीच स्थित बांध को जेसीबी मशीन से तोड़ने के प्रयास का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, कंपनी द्वारा बांध को तोड़ने की कोशिश किए जाने पर गांव के लोगों ने मौके पर पहुंचकर इसका विरोध किया था। विरोध के दौरान ग्रामीणों और कंपनी के बीच विवाद की स्थिति भी बनी।
ग्रामीणों का कहना है कि यह बांध गांव के लिए जलस्रोत और सिंचाई का महत्वपूर्ण साधन है। बांध टूटने या क्षतिग्रस्त होने से बारिश का पानी जमा नहीं हो पाएगा, जिससे खेतों की सिंचाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा भूजल स्तर में गिरावट, पशुओं के लिए पानी की कमी और गर्मी के दिनों में पेयजल संकट जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होने की आशंका है। ग्रामीणों के अनुसार, बांध को नुकसान पहुंचने से किसानों, पशुपालकों और आसपास रहने वाले परिवारों पर सीधा असर पड़ेगा तथा उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है।
मामले में कंपनी के महाप्रबंधक की ओर से ग्रामीणों के खिलाफ थाना पाली में **FIR** दर्ज कराई गई। इसके बाद ग्रामीणों ने भी अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस थाने का रुख किया।
3 अक्टूबर 2026 को बड़ी संख्या में ग्रामीण थाना पाली पहुंचे और अपनी ओर से **FIR** दर्ज करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि वे सुबह से लेकर रात करीब 12 बजे तक थाने में मौजूद रहे और प्रदर्शन करते हुए अपनी शिकायत दर्ज कराने की मांग करते रहे, लेकिन इसके बावजूद उनकी **FIR** दर्ज नहीं की गई।
ग्रामीणों का कहना है कि बांध गांव के लिए महत्वपूर्ण है और इसे तोड़ने से गांव के लोगों के हित प्रभावित होंगे। उनका आरोप है कि कंपनी द्वारा ग्रामीणों की आपत्ति के बावजूद बांध को तोड़ने का प्रयास किया गया।
ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर उनकी शिकायत पर भी **FIR** दर्ज की जाए और बांध को हुए या संभावित नुकसान का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि बांध की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि गांव में जलसंकट और किसानों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को रोका जा सके।
ग्रामीणों ने उठाए सवाल
ग्रामीणों का सवाल है कि यदि कंपनी की शिकायत पर **FIR** दर्ज की जा सकती है, तो ग्रामीणों की शिकायत पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही?
ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, बांध की सुरक्षा तथा कंपनी द्वारा किए गए कथित प्रयास की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांध को नुकसान पहुंचने की स्थिति में प्रशासन को प्रभावित किसानों, पशुपालकों और अन्य ग्रामीण परिवारों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।
ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायत करने और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे।
अब देखना यह है कि प्रशासन ग्रामीणों की शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और बांध को लेकर उत्पन्न विवाद का समाधान किस तरह किया जाता है।

दामिनी यूजी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, रोड सेल में नियमों की अनदेखी के आरोप

कोल यार्ड में मजदूरों की आवाजाही से लेकर 18-22 चक्का वाहनों की लोडिंग और फिटनेस जांच तक उठे सवाल, कालरी टीआई के जल्द स्थानांतरण ने भी बढ़ाई चर्चा

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की दामिनी भूमिगत खदान में सुरक्षा व्यवस्था और रोड सेल संचालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। खदान परिसर में भारी वाहनों की आवाजाही, कोल यार्ड में श्रमिकों के प्रवेश, खराब सड़क, ट्रकों की लंबी कतार और कथित रूप से नियमों को दरकिनार कर वाहनों के प्रवेश की शिकायतें सामने आने के बाद अब पूरे मामले की जांच की मांग उठ रही है।
सबसे बड़ा सवाल यह है कि खदान जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा नियमों की निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी आखिर मौके पर कितनी सक्रियता से निगरानी कर रहे हैं? यदि नियमों का पालन हो रहा है तो शिकायतों की स्थिति और निरीक्षण रिपोर्ट सामने आना चाहिए।
कोल यार्ड में मजदूरों की मौजूदगी पर सवाल बताया जा रहा है कि दामिनी के कोल यार्ड में कोयले को लेवल करने सहित अन्य कार्यों के लिए मजदूरों की आवाजाही होती है। भारी मशीनरी और कोयला परिवहन वाले क्षेत्र में मजदूरों के प्रवेश को लेकर यह स्पष्ट होना जरूरी है कि उन्हें किस स्तर से अनुमति दी गई है। क्या इन श्रमिकों का सुरक्षा प्रशिक्षण कराया गया है? क्या उनके पास निर्धारित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण हैं? और क्या उनकी आवाजाही के लिए सुरक्षित क्षेत्र निर्धारित है?
भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच यदि कोई व्यक्ति बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के कार्य करता है तो दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए कोल यार्ड में श्रमिकों के प्रवेश, अनुमति और सुरक्षा इंतजामों की जांच जरूरी मानी जा रही है।

18 और 22 चक्का वाहनों की लोडिंग भी जांच के घेरे में

रोड सेल में 18 और 22 चक्का वाहनों में कितनी



मात्रा में कोयला लोड किया जा रहा है, यह भी जांच का विषय है। प्रत्येक वाहन में लोडिंग उसकी निर्धारित क्षमता और वैधानिक भार सीमा के अनुरूप होना चाहिए। ऐसे में वाहनवार लोडिंग रिकॉर्ड, वजन कांटे के रिकॉर्ड और डिस्पैच दस्तावेजों की जांच से वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

फिटनेस के बिना वाहन प्रवेश कर रहे हैं तो जिम्मेदारी किसकी?

मामले में यह आरोप भी गंभीर है कि कथित रूप से बिना वैध फिटनेस वाले वाहनों को खदान परिसर में प्रवेश मिल रहा है। यदि शिकायत सही पाई जाती है तो यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि खदान परिसर की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला होगा।
वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच किस स्तर पर की जाती है, प्रवेश के समय कौन अधिकारी या कर्मचारी सत्यापन करता है और इसका रिकॉर्ड कैसे संधारित होता है—इन सभी बिंदुओं की जांच आवश्यक है।

सड़क की बदहाली और ट्रकों की कतार से भी बढ़ रहा जोखिम

दामिनी के रोड सेल क्षेत्र में सड़क की स्थिति और ट्रकों की लंबी कतार भी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। भारी वाहनों की आवाजाही के बीच खराब सड़क और अव्यवस्थित पार्किंग से दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में यातायात व्यवस्था, वाहनों के प्रवेश-निकास और पार्किंग की व्यवस्था की भी समीक्षा जरूरी है।
सुरक्षा निरीक्षण की भूमिका पर भी उठे सवाल
खदान में सुरक्षा अधिकारी, नोडल अधिकारी और तकनीकी निरीक्षण से जुड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। यदि लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही हैं तो यह जानना भी जरूरी है कि संबंधित अधिकारियों ने मौके पर कितने निरीक्षण किए, निरीक्षण के दौरान क्या कमियां मिलीं और उन कमियों को दूर करने के लिए प्रबंधन ने क्या कार्रवाई की।
यदि किसी अधिकारी ने पहले ही किसी खामी की जानकारी प्रबंधन को दी थी तो उस पर हुई कार्रवाई का रिकॉर्ड भी सामने आना चाहिए।
कालरी टीआई के जल्द स्थानांतरण ने बढ़ाई चर्चा
इसी बीच कालरी टीआई के जल्द स्थानांतरण को लेकर भी क्षेत्र में चर्चा है। हालांकि स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है, लेकिन मौजूदा शिकायतों के बीच इसके समय और परिस्थितियों को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या स्थानांतरण से पहले संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा या रोड सेल व्यवस्था को लेकर कोई रिपोर्ट तैयार की गई थी? क्या कोई शिकायत या निरीक्षण रिपोर्ट लंबित थी? इन बिंदुओं की भी निष्पक्ष जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।
मामला केवल रोड सेल के संचालन का नहीं, बल्कि खदान परिसर में सुरक्षा मानकों के पालन से जुड़ा है। इसलिए वाहन प्रवेश से लेकर लोडिंग, श्रमिकों की आवाजाही, फिटनेस दस्तावेज और अधिकारियों के निरीक्षण तक पूरे सिस्टम की जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

सेवा सेतु शिविर में 17 विभागों के स्टॉल, नियमित कार्यप्रणाली पर सवाल

अमलाई। सेवा संकल्प अभियान के तहत 4 अक्टूबर को नगर परिषद बरगवां अमलाई में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर रत्नाकर झा ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। करीब 17 विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां नागरिकों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन भी लिए गए।
शिविर में कुल 50 आवेदन प्राप्त होने की जानकारी दी गई। हालांकि, इनमें से कितने आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया और कितने आवेदन आगे की कार्रवाई के लिए लंबित हैं, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई। ऐसे में शिविर के त्वरित निराकरण के उद्देश्य को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।
नियमित काम के लिए भी शिविर का इंतजार?
शिविर को लेकर सबसे अहम सवाल नगर परिषद की नियमित कार्यप्रणाली पर उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, शिविर से पहले के दिनों में नगर परिषद पहुंचने वाले कुछ नागरिकों को उनके आवेदन लेने अथवा संबंधित कार्यवाही करने के बजाय 4 अक्टूबर को आयोजित सेवा



सेतु शिविर में आने की सलाह दी जा रही थी।
नगर परिषद का दायित्व केवल विशेष शिविरों के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि प्रतिदिन कार्यालय में आने वाले नगरवासियों के आवेदन स्वीकार कर नियमानुसार कार्रवाई करना और उनकी समस्याओं का निराकरण करना भी है। ऐसे में सामान्य दिनों में आने वाले लोगों को शिविर में आने की सलाह दिए जाने की स्थिति नगर परिषद की नियमित सेवा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।
वार्ड क्रमांक 4 इंद्रानगर में किया पौधरोपण
सेवा सेतु शिविर में सहभागिता के बाद कलेक्टर रत्नाकर झा ने वार्ड क्रमांक 4 इंद्रानगर स्थित तालाब के पास पौधरोपण भी किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में स्थानीय अधिकारी एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।
शिविर में राजस्व, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, पशुपालन, श्रम, जनजातीय कार्य, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित करीब 17 विभागों के स्टॉल लगाए गए। नागरिकों को विभिन्न योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं शासकीय सेवाओं की जानकारी दी गई।
शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी, एसडीएम अनूपपुर प्राशि अग्रवाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य सरिता नायक, सीएमओ शिवांगी सिंह बघेल सहित अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।
अब सवाल यह है कि शिविर में प्राप्त 50 आवेदनों में से कितने मामलों का त्वरित निराकरण हुआ और कितने आवेदन विभागीय प्रक्रिया में लंबित हैं। इसकी जानकारी सार्वजनिक होने पर ही शिविर के वास्तविक परिणाम का आकलन हो सकेगा।

खबर संक्षेप

कल्याणिका महाविद्यालय में लगा जन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर



अमरकंटक। जनसेवा और स्वस्थ समाज की संकल्पना को साकार करने की दिशा में सरकार द्वारा संचालित 'जन सेवा अभियान' के अंतर्गत शनिवार, 5 सितंबर को कल्याणिका महाविद्यालय, अमरकंटक में एक दिवसीय जन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अमरकंटक से डॉ. शशांक परस्ते एवं डॉ. रानू सारीवान अपनी आठ सदस्यीय मेडिकल टीम के साथ उपस्थित रहे। चिकित्सकीय दल द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी लेते हुए चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को उनकी दिनचर्या, खान-पान एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सावधानियों के संबंध में उपयोगी परामर्श प्रदान किया। शिविर में डॉ. आशुतोष पाठक ने भी अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए विद्यार्थियों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यकता के अनुसार उन्हें चिकित्सकीय परामर्श देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जैतहरी की माटी से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे एसपी राठौर



अनूपपुर। जैतहरी की माटी में जन्मे और पले-बढ़े एसपी राठौर ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अनूपपुर जिले का नाम रोशन किया है। देश के प्रमुख जलविद्युत सार्वजनिक उपक्रम राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) में उन्हें कार्यपालक निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर पदोन्नति मिली है। उनकी पदोन्नति 1 अक्टूबर से प्रभावी हुई है। छोटे नगर जैतहरी से निकलकर देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम के शीर्ष प्रबंधन तक पहुंचना राठौर परिवार के साथ-साथ पूरे अनूपपुर अंचल के लिए गौरव का विषय है। उनकी इस उपलब्धि के बाद क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। परिजनों, मित्रों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अनिल कुमार गुप्ता ने दी बधाई

एसपी राठौर की पदोन्नति पर पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जैतहरी जैसे छोटे नगर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम में कार्यपालक निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद तक पहुंचना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। गुप्ता ने राठौर के सफल कार्यकाल, उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारियों में बेहतर नेतृत्व की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक परिवार की सफलता नहीं, बल्कि पूरे अनूपपुर अंचल के लिए गौरव का क्षण है। राठौर की सफलता क्षेत्र के युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित



अनूपपुर। संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर में सोमवार 5 अक्टूबर को राज्य सरकार द्वारा संचालित 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' थीम पर एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ ही महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पोषण तथा एनीमिया को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अनूपपुर के डॉ. सुमित रंजन, सीएचओ शशिकला राठौर एवं संध्या पद्म तथा आशा कार्यकर्ता राजी प्रजापति सहित मेडिकल टीम मौजूद रही। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति सजग रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ संतुलित पोषण और एनीमिया से बचाव को लेकर भी विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी दी गई।

नेता मंच के भाषण तक सीमित

मैकल धंस रहा है, सिस्टम पन्ने पलट रहा है

जल-जंगल-जमीन भगवान भरोसे...

अनूपपुर। आदिवासी बहुल अनूपपुर में मंचों से जल, जंगल और जमीन बचाने के बड़े-बड़े दावे होते हैं, लेकिन मैकल की पहाड़ी में जंगल सहित बड़े भूभाग के धंसने की तस्वीर सामने आने के बाद सियासत और सामाजिक संगठनों की खामोशी सवाल बन गई है। पुष्पराजगढ़ में अवैध पत्थर उत्खनन, स्टोन क्रेशर और कथित अवैध कटाई पर कार्यवाही के दावों के बीच अब पहाड़ के धंसने ने पूरी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। वन विभाग इसे भूस्खलन बता रहा है, लेकिन सवाल अभी बाकी हैं। मैकल की पहाड़ियों में भू-स्खलन की घटना सामने आने के बाद अब यह मामला सिर्फ एक पहाड़ के धंसने तक सीमित नहीं रह गया है। सवाल मैकल के अस्तित्व, जंगलों की सुरक्षा और पुष्पराजगढ़ के भविष्य का है। वन विभाग गांव पहुंचकर ग्रामीणों को इसे भूस्खलन बताकर समझाइश दे रहा है, लेकिन सवाल यह है कि दो अलग-अलग स्थानों पर जंगल सहित बड़े भूभाग का नीचे की ओर खिसक जाना महज इत्तेफाक है या इसके पीछे कोई मानवीय हस्तक्षेप भी है? पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर उत्खनन, स्टोन क्रेशरों और वनों की कटाई को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। बावजूद इसके यदि निगरानी और कार्यवाही प्रभावी होती तो आज मैकल की पहाड़ी की यह तस्वीर सामने क्यों दिखाई पड़ती? सबसे चैंकाने वाली बात यह है कि जल-जंगल-जमीन की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं भी फिलहाल खामोश नजर आ रही हैं। क्या मैकल की पहाड़ियों का दर्द अब सिर्फ भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है? या फिर इस खामोशी को ये कहे कि लोगो को बरगलाने के लिए जल जंगल जमीन की बाते की जाती रही है।

पहाड़ धंसा, जिम्मेदारों की जुबान बंद

मैकल की पहाड़ी में जंगल सहित बड़े भूभाग के धंसने की खबर सामने आई है, लेकिन जिस गंभीरता से इस मामले पर आवाज उठनी चाहिए थी, वह दिखाई नहीं दे रही है। न राजनीतिक संगठनों की सक्रियता नजर आई और न ही सामाजिक संगठनों की कोई बड़ी पहल दिखाई दे रही है। आदिवासी अंचल में जल-जंगल-जमीन के नाम पर होने वाली बैठकों और मंचीय भाषणों के बीच यह खामोशी अपने आप में बड़ा सवाल है। आखिर जब जंगल और पहाड़ खतरे में हैं तो आवाज कौन उठाएगा? यदि आज भी सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया गया तो कल नुकसान की भरपाई शायद किसी के बस में नहीं होगी।

पत्थर, क्रेशर और कटाई - क्या यही है विकास की कीमत?

पुष्पराजगढ़ की पहाड़ियों में अवैध पत्थर उत्खनन, स्टोन क्रेशरों का संचालन और वनों की कटाई को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव अब चिंता का विषय बनता जा रहा है। शासन-प्रशासन यदि समय रहते प्रभावी निगरानी और कार्यवाही करता तो शायद परिस्थितियां यहां तक नहीं पहुंचतीं दिखाई पड़ती। पहाड़ और जंगल कोई सरकारी फाइल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की विरासत हैं। यदि विकास के नाम पर प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ा गया तो इसका खामियाजा सबसे पहले गांव, किसान, वन्यजीव और स्थानीय समुदाय को भुगतना पड़ेगा।

भूस्खलन कहकर समझाइश* लेकिन असली सवाल कौन पूछेगा?

वन विभाग गांव पहुंचा और पहाड़ी के धंसने को भूस्खलन बताते हुए लोगों को समझाइश दी गई है। लेकिन क्या सिर्फ इसे भूस्खलन कह देना पर्याप्त है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर दो अलग अलग स्थानों पर इतनी बड़ी परिधि में पहाड़ी जंगल सहित नीचे की ओर क्यों खिसकी है? क्या इसका वैज्ञानिक सर्वे कराया गया है? क्या भू-वैज्ञानिकों की टीम ने जांच की है? क्या आसपास उत्खनन, ब्लास्टिंग, क्रेशर या अन्य मानवीय गतिविधियों का प्रभाव देखा गया है? और अगर कारण प्राकृतिक है तो उसकी पुष्टि करने वाली तकनीकी रिपोर्ट कहां है? ग्रामीणों को समझाइश से ज्यादा अब वैज्ञानिक जांच और स्पष्ट जवाब सामने आना चाहिए।

जहां इंसान नहीं पहुंचता, वहां मैकल कितना सुरक्षित?

यह तो वह हिस्सा है जो इंसानों की आवाजाही और गतिविधियों की नजर में है। लेकिन मैकल के वे दुर्गम पहाड़ी और जंगल क्षेत्र, जहां आम आदमी की पहुंच नहीं है क्या वहां सब कुछ सुरक्षित है? क्या वहां भी जमीन में दरारें पड़ रही हैं? क्या जंगल का भू-भाग बदल रहा है? क्या पेड़ों के गिरने या पहाड़ियों के खिसकने के संकेत मौजूद हैं? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि प्रभावित क्षेत्र सिर्फ एक-दो स्थानों तक सीमित नहीं है तो खतरा कहीं ज्यादा बड़ा हो सकता है। मैकल की पहाड़ियों का व्यापक वैज्ञानिक सर्वे अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है।

अब जनता को खुद उठानी होगी जल-जंगल-जमीन की जिम्मेदारी

मैकल की पहाड़ी से निकली यह चेतावनी सिर्फ प्रशासन के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है। जब तक ग्रामीण स्वयं अपने जंगल, पहाड़ और जमीन की निगरानी में सक्रिय भागीदारी नहीं करेंगे, तब तक प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करना मुश्किल होगा। पुष्पराजगढ़ की प्रत्येक ग्राम पंचायत में जहां अवैध पत्थर उत्खनन, पेड़ों की कटाई या नियम विरुद्ध क्रेशर संचालन की शिकायतें हैं, वहां तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की जरूरी है। आज पहाड़ धंस रहा है, कल पानी का स्रोत सूख सकता है और परसों जंगल का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। वक्त आ गया है कि जल, जंगल और जमीन बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ भाषण देने वाले नेताओं की नहीं, जनता को भी अपने कंधों पर उठानी होगी।



कार्यालय के पीछे 'नशे का अड्डा, वार्ड-7 में कथित गांजा कारोबार चरम सीमा पर

केसवाही मार्ग से होकर पहुंच रहा गांजे का खेप'

कुलर के नीचे गड्ढेनुमा जगह में गांजा छिपाने की चर्चा'

शाम ढलते ही बढ़ती आवाजाही से रहवासी परेशान'

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 में कार्यालय के पीछे कथित रूप से चल रहे गांजे के अवैध कारोबार को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से नशीले पदार्थों की संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं और शाम ढलते ही यहां आने-जाने वाले लोगों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। देर रात तक चलने वाली कथित गतिविधियों से आसपास रहने वाले परिवारों में चिंता का माहौल बना रहता है।

केसवाही मार्ग से गांजे का खेप पहुंच रहा'

स्थानीय लोगों के बताए अनुसार, गांजे की कथित खेप केसवाही मार्ग की ओर से क्षेत्र में लाई जाती है। लोगों का कहना है कि इसमें करीब चार लोगों के अलग-अलग समय पर शामिल होने की भी चर्चा है, जो कथित रूप से बारी-बारी से खेप पहुंचाते हैं।

कुलर के नीचे कथित छिपाने की बात

प्राप्त जानकारी के अनुसार कथित गांजा विक्रेता नशीले पदार्थ को अपने ही घर में मौजूद कुलर के नीचे बने गड्ढेनुमा स्थान में रखता है। ऐसा नहीं है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी स्थानीय पुलिस को ना हो बावजूद उसके यहां दिन-रात गांजे का अवैध व्यवसाय फल फूल रहा है मध्य प्रदेश शासन नशा मुक्ति अभियान आए दिन



चलाते रहती है और इसका जीता जागता उदाहरण यह की सिर्फ कागजी कार्यवाही में ही नशा मुक्ति अभियान समाप्त हो जाता है पुलिस की नाक के नीचे यह कारोबार पिछले कई वर्षों से चल रहा है यहां छापा पड़ने से पहले ही मुखबिर द्वारा गांजा विक्रेता को सूचना प्राप्त हो जाती है और छापा के दौरान कोई भी चीज हाथ नहीं लगती।

लंबे समय से कारोबार चलने का आरोप

रहवासियों का कहना है कि यह कोई एक-दो दिन की बात नहीं है। कथित रूप से लंबे समय से क्षेत्र में नशे से जुड़ी गतिविधियां चलने की शिकायतें सामने आती रही हैं। लोगों का आरोप है कि नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता का सबसे ज्यादा असर युवा वर्ग पर पड़ सकता है। अभिभावकों में भी इस बात को लेकर चिंता है कि आसपास का वातावरण युवाओं को नशे की ओर न धकेल दे।

शाम होते ही बढ़ती आवाजाही से परेशानी

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, दिन के मुकाबले शाम ढलने के बाद क्षेत्र का माहौल बदल जाता है। कथित रूप से नशे के आदी लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है और देर रात तक संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने की बात कही जा रही है। रहवासियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में परिवारों को अपने बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्क रहना पड़ता है।

महिलाओं के आवागमन को लेकर भी चिंता

क्षेत्र की महिलाओं और राहगीरों को लेकर भी स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। नागरिकों का कहना है कि शाम के समय संदिग्ध लोगों की मौजूदगी और नशे में घूमने वाले लोगों के कारण महिलाओं का अकेले निकलना असहज महसूस होता है। लोगों ने मांग की है कि शाम से देर रात तक पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाई जाए।

पुलिस की निगरानी और जांच की मांग

स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि कार्यालय के पीछे वार्ड क्रमांक 7 के संबंधित क्षेत्र में अचानक जांच और निगरानी की जाए। केसवाही मार्ग से आने-जाने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए तथा यदि जांच में गांजे की अवैध बिक्री, परिवहन या भंडारण की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाए।

सवाल यह कब होगी ठोस जांच?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि स्थानीय लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों में सच्चाई है, तो इतनी अवधि से कथित रूप से चल रही गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? लेकिन वार्डवासियों की चिंता और क्षेत्र में नशीले पदार्थों की कथित गतिविधियों को देखते हुए पुलिस प्रशासनकब तक कार्यवाही करेगी।



विरोध के बीच श्रीराम फाइनेंस के अधिवक्ता नीरज नायक ने संभाला मोर्चा, 20 साल पुराने बकाया मामले में कुर्की'

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड शाखा अनूपपुर द्वारा न्यायालय के आदेश पर पिछले 10 दिनों में लगातार तीसरी कुर्की की कार्यवाही हुई'

अनूपपुर। व्यवहार न्यायालय अनूपपुर के आदेश के अनुपालन में श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड शाखा अनूपपुर द्वारा 20 साल पुराने बकाया मामले में कुर्की की कार्रवाई की गई। सोमवार को न्यायालय द्वारा जारी कुर्की वारंट के आधार पर कंपनी की टीम कोर्ट अमीन और पुलिस बल के साथ बकायेदार राम मनोहर केवट के निवास पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान परिवार की महिला सदस्यों द्वारा विरोध और हंगामा किए जाने से मौके पर कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। ऐसे में श्रीराम फाइनेंस के अधिवक्ता नीरज नायक ने कानूनी प्रक्रिया को संभालते हुए टीम का मार्गदर्शन किया, वहीं कलेक्शन मैनेजर प्रतीक मिश्रा ने मौके पर टीम के साथ प्रभावी समन्वय बनाए रखा। पुलिस बल के सहयोग से न्यायालय के आदेश के अनुरूप घरेलू सामान की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई पूरी की गई।

2007 से चला आ रहा बकाया मामला

कंपनी के अनुसार, मामला वर्ष 2007 में कराए गए करीब 2.60 लाख रुपये के री-फाइनेंस से जुड़ा है। वर्ष 2000 मॉडल के टाटा 2515 वाहन पर री-फाइनेंस कराया गया था। किश्तों का भुगतान नहीं होने पर कंपनी ने वाहन जब्त कर लिया था, लेकिन शेष बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया। बकाया राशि की वसूली के लिए श्रीराम फाइनेंस द्वारा वर्ष 2024 में व्यवहार न्यायालय अनूपपुर में इजराय प्रकरण प्रस्तुत किया गया। न्यायालय से जारी कुर्की वारंट के अनुपालन में सोमवार को संबंधित निवास पर कार्रवाई की गई।

अधिवक्ता नीरज नायक और कलेक्शन मैनेजर प्रतीक मिश्रा की रही अहम भूमिका'

पूरी कार्रवाई के दौरान अधिवक्ता नीरज नायक ने न्यायालयीन आदेश और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप कार्रवाई को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कलेक्शन मैनेजर प्रतीक मिश्रा ने एवं पुलिस बल के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई को व्यवस्थित ढंग से पूरा कराया। कार्रवाई के दौरान श्रीराम फाइनेंस की ओर से अधिवक्ता नीरज नायक, कलेक्शन मैनेजर प्रतीक मिश्रा, फील्ड ऑफिसर आशुतोष पांडे, कोर्ट अमीन एवं पुलिस बल मौजूद रहा। श्रीराम फाइनेंस प्रबंधन के अनुसार, न्यायालय के आदेशों के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं करने वाले मामलों में नियमानुसार आगे भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

अमरकंटक की पावन धरा से सनातन संस्कृति, धर्म और मां नर्मदा की महिमा का संदेश

द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज से दैनिक हरिभूमि के अमरकंटक संवाददाता उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' की विशेष चर्चा

अमरकंटक। मैकल पर्वत की सुरम्य वादियों में बसे मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में इन दिनों आध्यात्मिक वातावरण विशेष रूप से आलोकित है। द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर अनंत विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के अमरकंटक आगमन से संत समाज, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज ने मां नर्मदा मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन कर पुण्यसलिला नर्मदा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। इसी आध्यात्मिक प्रवास के दौरान दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र के अमरकंटक संवाददाता उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज से विशेष चर्चा की। इस संवाद में धर्म, अध्यात्म, सनातन संस्कृति, मां नर्मदा की महिमा तथा अमरकंटक की आध्यात्मिक परंपरा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

अमरकंटक केवल तीर्थ नहीं, साधना और तप की भूमि

विशेष चर्चा के दौरान अमरकंटक की आध्यात्मिक महत्ता प्रमुख रूप से सामने आई। मां नर्मदा का उद्गम स्थल होने के साथ-साथ अमरकंटक ऋषि-मुनियों, तपस्वियों और संतों की साधना स्थली के रूप में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में विशिष्ट स्थान रखता है। यहां की पर्वत श्रृंखलाएं, नर्मदा उद्गम, प्राचीन आश्रम और धार्मिक परंपराएं इस क्षेत्र को विशिष्ट आध्यात्मिक पहचान प्रदान करती हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज के अमरकंटक आगमन को भी इसी व्यापक आध्यात्मिक परंपरा की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। उनके प्रवास के दौरान संतों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में उनकी सहभागिता ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

सनातन संस्कृति जीवन को संस्कार और सदाचार से जोड़ती है

विशेष संवाद में सनातन धर्म की व्यापक अवधारणा भी चर्चा का महत्वपूर्ण विषय रही। सनातन परंपरा भारतीय जीवन-दर्शन की वह धारा है, जिसमें धर्म के साथ कर्तव्य, संस्कार, सेवा, संयम और लोककल्याण को समान महत्व दिया गया है। जगद्गुरु शंकराचार्य के विचारों का मूल भाव यही रहा कि धर्म केवल पूजा-पद्धति तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि वह मनुष्य के आचरण और जीवन को परिष्कृत करने वाली चेतना है। भारतीय संस्कृति की शक्ति उसकी आध्यात्मिक दृष्टि, परिवार एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व और समस्त जीव-जगत के कल्याण की भावना में निहित है।

मां नर्मदा के प्रति आस्था और अमरकंटक की गरिमा

मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक की चर्चा के बिना यहां का कोई भी आध्यात्मिक प्रसंग पूर्ण नहीं हो सकता। नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र और भारतीय संस्कृति की जीवंत आध्यात्मिक धारा है। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज द्वारा नर्मदा मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किए जाने से श्रद्धालुओं में विशेष भाव दिखाई दिया। नर्मदा के प्रति श्रद्धा, उसकी पवित्रता और उद्गम क्षेत्र की धार्मिक गरिमा को बनाए रखना प्रत्येक श्रद्धालु और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।



संत परंपरा समाज को देती है दिशा

विशेष चर्चा में संत समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। भारतीय परंपरा में संतों और आचार्यों ने केवल धार्मिक मार्गदर्शन ही नहीं किया, बल्कि समाज को संस्कार, सदाचार, सेवा और समरसता की दिशा भी दिखाई है। वर्तमान समय में जब जीवन की गति अत्यंत तीव्र हो गई है, तब आध्यात्मिक मूल्यों और भारतीय संस्कारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज का अमरकंटक आगमन इसी संत परंपरा की निरंतरता का प्रतीक माना जा रहा है। उनके दर्शन और विचारों से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त हुई।

युवा पीढ़ी को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना आवश्यक

विशेष बातचीत में वर्तमान पीढ़ी और विशेषकर युवाओं के लिए भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों की उपयोगिता भी महत्वपूर्ण विषय रही। आधुनिक शिक्षा और तकनीकी प्रगति के साथ यदि युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों, संस्कारों और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़े रहें तो विकास के साथ जीवन में संतुलन और मानवीय संवेदनाएं भी बनी रह सकती हैं। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि वह आधुनिकता का विरोध नहीं करती, बल्कि जीवन में आधुनिक उपलब्धियों के साथ मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का समन्वय स्थापित करने का मार्ग दिखाती है।

मार्कंडेय आश्रम पहुंचकर संत परंपरा से हुआ आत्मीय संवाद

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने अमरकंटक प्रवास के दौरान मार्कंडेय आश्रम पहुंचकर अग्नि पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि रामकृष्णानंद महाराज के साथ भी आध्यात्मिक संवाद किया। संतों का यह मिलन अमरकंटक की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करता रहा। संतों के बीच हुए आत्मीय संवाद और धार्मिक गतिविधियों से अमरकंटक में आध्यात्मिक चेतना का वातावरण और अधिक सघन हुआ।

विशेष चर्चा ने दिया आध्यात्मिक संवाद को व्यापक आयाम

दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र के अमरकंटक संवाददाता उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' की यह विशेष चर्चा केवल एक साक्षात्कार तक सीमित नहीं रही, बल्कि अमरकंटक की आध्यात्मिक पहचान, मां नर्मदा के प्रति आस्था और सनातन संस्कृति के व्यापक संदेश को समाज तक पहुंचाने का माध्यम बनी। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज के विचारों में धर्म के प्रति आस्था के साथ समाज और संस्कृति के प्रति दायित्व का भाव दिखाई दिया। अमरकंटक की पावन भूमि पर हुआ यह संवाद निश्चित रूप से धर्म और अध्यात्म में रुचि रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है।